प्रेषक,

**मिशन निदेशक,**
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
उत्तर प्रदेश।

सेवा में,

1. **मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, देवीपाटन मण्डल, उत्तर प्रदेश।**
2. **मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जनपद गोण्डा, उत्तर प्रदेश।**

**पत्रांक : SPMU/NHM/IEC/ 2022-23/ TC 43 C/SS Visit/** 9819-2 **दिनांक :** 27-03-2023

**विषय : राज्य स्तरीय भ्रमण दल द्वारा जनपद गोण्डा के सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की आख्या पर कार्यवाही किये जाने के संदर्भ में।**

महोदय,

जैसा कि आप अवगत हैं कि राज्य स्तर से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत आपके जनपद गोण्डा की स्वास्थ्य इकाईयों का भ्रमण दिनांक 15 मार्च से 17 मार्च 2023 के मध्य किया गया। भ्रमण दल द्वारा प्रकाश में आये बिन्दुओं के आधार पर भ्रमण आख्या पत्र के साथ संलग्न कर आपके अवलोकनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही है।

तत्क्रम में आपसे अपेक्षा है कि उक्त भ्रमण आख्या के अनुसार सुधारात्मक कार्यवाही करते हुए 15 कार्यदिवसों के भीतर कुल कृत कार्यवाही से अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक– भ्रमण आख्या रिपोर्ट।

भवदीया,

Aparna. U

(अपर्णा उपाध्याय)
मिशन निदेशक

**पत्रांक : : SPMU/NHM/IEC/ 2022-23/ TC 43 C/SS Visit/** **तद्दिनांक**

**प्रतिलिपिः–निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित।**

1. महानिदेशक, परिवार कल्याण, परिवार कल्याण महानिदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
2. अपर मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
3. जिलाधिकारी/अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति, जनपद गोण्डा, उ0प्र0।
4. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबंधक, देवीपाटन मण्डल, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
5. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, जनपद गोण्डा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

(अपर्णा उपाध्याय)
मिशन निदेशक

प्रेषक,

**मिशन निदेशक,**
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
उत्तर प्रदेश।

सेवा में,

1. **मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, देवीपाटन मण्डल, उत्तर प्रदेश।**
2. **मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जनपद गोण्डा, उत्तर प्रदेश।**

**पत्रांक : SPMU/NHM/IEC/ 2022-23/ TC 43 C/SS Visit/** **दिनांक** 27-03-2023

**विषय : राज्य स्तरीय भ्रमण दल द्वारा जनपद गोण्डा के सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की आख्या पर कार्यवाही किये जाने के संदर्भ में।**

महोदय,

जैसा कि आप अवगत हैं कि राज्य स्तर से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत आपके जनपद गोण्डा की स्वास्थ्य इकाईयों का भ्रमण दिनांक 15 मार्च से 17 मार्च 2023 के मध्य किया गया। भ्रमण दल द्वारा प्रकाश में आये बिन्दुओं के आधार पर भ्रमण आख्या पत्र के साथ संलग्न कर आपके अवलोकनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही है।

तत्क्रम में आपसे अपेक्षा है कि उक्त भ्रमण आख्या के अनुसार सुधारात्मक कार्यवाही करते हुए 15 कार्यदिवसों के भीतर कुल कृत कार्यवाही से अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक– भ्रमण आख्या रिपोर्ट।

भवदीया,

**(अपर्णा उपाध्याय)**
मिशन निदेशक

**पत्रांक : : SPMU/NHM/IEC/ 2022-23/ TC 43 C/SS Visit/** 9819-25) **तद्दिनांक**

**प्रतिलिपिः–निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित।**

1. महानिदेशक, परिवार कल्याण, परिवार कल्याण महानिदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
2. अपर मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
3. जिलाधिकारी/अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति, जनपद गोण्डा, उ0प्र0।
4. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबंधक, देवीपाटन मण्डल, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
5. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, जनपद गोण्डा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

Aparna. U

**(अपर्णा उपाध्याय)**
मिशन निदेशक

# पर्यवेक्षण आख्या जनपद–गोण्डा
## भ्रमण दिनांक 15–17 मार्च, 2023

मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश के पत्रांक एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./एम. एण्ड.ई./2022–23/04/6716–2 दिनांक 13.12.2022 के अनुपालन में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के राज्य स्तरीय दल द्वारा दिनांक 15–17 मार्च, 2023 के मध्य सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के अंतर्गत जनपद–गोण्डा का भ्रमण, संचालित स्वास्थ्य सेवाओं एवं व्यय की समीक्षा की गयी।

**राज्य स्तरीय टीम के सदस्यः–**

1. श्री सुमित कुमार सोनकर, परामर्शदाता, आई0ई0सी0, एस0पी0एम0यू0, एन0एच0एम0।
2. श्रीमती सरिता गुप्ता, आशा प्रोग्राम मेनेजर, ए.आर.सी, एस0पी0एम0यू0, एन0एच0एम0।

**दिनांक 15.03.2023 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रः कर्नलगंज**

| भ्रमण बिन्दु | सुझाव/सुधारात्मक कार्यवाही | कार्यवाही का स्तर |
|---|---|---|
| • चिकित्सा इकाई में हेल्थ ए.टी.एम. स्थापित कर दिया गया है किन्तु एक भी कर्मचारी को कोई प्रशिक्षण नहीं दिया गया है। हेल्थ ए.टी.एम शो पीस बना हुआ रखा है। | हेल्थ ए.टी.एम. को शीघ्रतम रोगियों की जांच एवं परीक्षण हेतु क्रियाशील कराया जाये। | प्रभारी चिकित्साधिकारी, सी0एच0सी0 कर्नलगंज, गोण्डा |
| • डाट्स क्लीनिक में ही पैथोलॉजी, लैब संचालित है और क्षय रोग की दवा का वितरण भी किया जा रहा है। | डाट्स क्लीनिक और पैथोलॉजी को अलग–अलग कमरों में संचालित किया जाये। | प्रभारी चिकित्साधिकारी, सी0एच0सी0 कर्नलगंज, गोण्डा |
| • सी.बी.सी. मशीन पिछले काफी समय से खराब है। लिखित शिकायत के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हुई है। | सी.बी.सी. मशीन को ठीक कराया जाना सुनिश्चित किया जाये। | मुख्य चिकित्सा अधिकारी, गोण्डा |
| • टेली मेडिसिन का कार्य सुचारू रूप से किया जा रहा है। प्रतिदिन 15 से 20 मरीजों का टेली मेडिसीन से ट्रीट किया जा रहा है। | | |
| • टेली मेडिसीन में कार्यरत स्टाफ को उनकी एजेंसी पवन श्री द्वारा जून 2022 से वेतन नहीं दिया गया है। | एजेंसी को वेतन देने हेतु निर्देशित किया जाये। | मुख्य चिकित्सा अधिकारी, गोण्डा |
| • आयुष के चिकित्सक डा0 ए.के. पाण्डेय द्वारा फिजिशियन की तरह मरीजों का उपचार एलौपैथी से किया जा रहा है। पूछने पर डा0 द्वारा बताया गया कि ओ.पी.डी. का लोड अधिक होने और चिकित्सक कम होने के कारण उनके द्वारा मदद की जा रही है। | | |
| • आयुष में फार्मासिस्ट का पद रिक्त होने के कारण चिकित्सक को कार्य करने में दिक्कत आ रही है। | फार्मासिस्ट के रिक्त पद पर भर्ती कराया जाना सुनिश्चित किया जाये। | मुख्य चिकित्सा अधिकारी, गोण्डा |
| • आयुष्मान कार्ड बनाये जाने में ब्लाक | | |

| | | |
|---|---|---|
| स्तर से कोई मदद नहीं की जा रही है। जब कि ब्लाक मे बायो मैट्रिक मशीन भेजी जा चुकी है।<br>• चिकित्सा इकाई में दवाओं की आपूर्ति की पर्याप्त व्यवस्था पायी गई।<br>• हाई रिस्क केस की लिस्टिंग और ट्रेकिंग की जा रही है ।<br>• जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत संस्थागत प्रसव के उपरान्त लाभार्थियों को दी जाने वाली प्रोत्साहन धनराशि शहरी 1000 रूपयं तथा ग्रामीण लाभार्थी हेतु 1400 रूपये तथा आशाओं को 600 की दर से माह फरवरी तक का भुगतान ब्लाक स्तर से जनपद को प्रेषित किया गया है। | ब्लाक प्रमुख व पंचायती राज के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर ब्लाक में कार्य को गति प्रदान की जाये।<br><br>जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्श 2022–23 समाप्ति से पूर्व मार्च तक का भुगतान किया जाना सुनिश्चित किया जाये। | प्रभारी चिकित्साधिकारी, सी0एच0सी0 कर्नलगंज, गोण्डा<br><br>जिला लेखा प्रबंधक |
| • सीजेरियन प्रसव हेतु स्थापित ओ.टी. में एन.बी.सी.सी. कार्नर नहीं पाया गया।<br>• गोण्डा जनपद में बी.पी.एम. के पदों पर एजेंसी के माध्यम से ही नियुक्ति की गई हैं जब कि अन्य सभी जिलों में जिला स्वास्थ्य समिति की ओर से नियुक्ति की गई है। जिसके कारण वेतन विसंगति है और बी.पी.एम. में नाराजगी व्याप्त है।<br>• एम्बुलेंस को चेक किया गया तो पाया गया कि ए.सी. कार्यरत नही है एवं खिड़की के शीशो के स्लाइडर खराब है। | एन.बी.सी.सी. कार्नर तैयार कराया जाये<br><br>जिला स्वास्थ्य समिति की ओर से बी.पी.एम. के पदों पर भर्ती किया जाना सुनिष्चित किया जाये। | प्रभारी चिकित्साधिकारी, सी0एच0सी0 कर्नलगंज, गोण्डा<br><br>मुख्य चिकित्सा अधिकारी, गोण्डा |

## दिनांक 15.03.2023 वी.एच.एस.एन.डी. सत्र–मुण्डेर सेंटर, ग्राम–भकला

- सत्र स्थल पर 21 ड्यू के सापेक्ष 14 लाभार्थियों का टीकाकरण हुआ है।
- हाई रिस्क प्रिगनेन्सी केस की ट्रेकिंग नही की जा रही है।
- ए.एन.एम. को अति कुपोषित बच्चों के संदर्भन एवं इलाज की समुचित जानकारी है।
- बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत उपलब्ध 50 ML आयरन की सही खुराक एवं पिलाने के तरीके की जानकारी आशा, ए0एन0एम0 को नही है।
- सत्र स्थल पर दोपहर 1.40 बजे भी आइसपैक पिघले हुए नार्मल टेंम्परेचर पर मिले, जोकि अनुचित है।

## दिनांक 15.03.2023 जिला महिला चिकित्सालय–गोण्डा

| भ्रमण बिन्दु | सुझाव / सुधारात्मक कार्यवाही | कार्यवाही का स्तर |
|---|---|---|
| • सुरक्षा क्लीनिक के लिए डाक्टर एवं दो स्टाफ नर्स की कमी है। वर्तमान में ई.एम.ओ. की तैनाती सुरक्षा क्लीनिक में है किन्तु चिकित्सक के द्वारा अन्य कार्यो में भी दायित्व निर्वहन के कारण सुरक्षा क्लीनिक सुचारू रूप से नहीं चल रही है। | सुरक्षा क्लीनिक के लिए पूर्ण कालिक चिकित्सक की तैनाती सुनिश्चित की जाये। | |
| • लेबर वार्ड गंदे मिले, पंखे खराब थे, टायलेट बहुत गंदे है, वार्ड की हालत दयनीय पायी गई। | वार्ड को साफ स्वच्छ बनाये रखने हेतु स्टाफ को निर्देशित किया जाये। | |
| • पूरे अस्पताल में एक भी गार्ड न होने के कारण एक मरीज के साथ आधा दर्जन तीमारदार हर बेड पर पाये गये। तीमारदारों की भीड लगी हुई थी, जो कि स्टाफ नर्स के रोकने टोकने पर कंट्रोल नहीं हो रही थी। | गार्ड की तैनाती सुनिश्चित की जाये। | एस.आई.सी. महिला चिकित्सालय, गोण्डा। प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक, महिला चिकित्सालय |
| • पैथोलॉजी लैब में सी.बी.सी. मशीन, सेलेक्ट्रा, माइक्रोस्कोप खराब पाये गये। | खराब पड़ी मशीनों को ठीक कराया जाये। | मुख्य चिकित्सा अधिकारी, गोण्डा |
| • लैब में केवल एच.आई.वी., एच.सी.वी. एच.बी. एस.ए.जी. तथा ब्लड ग्रुप की ही जांच की जा रही थी, अन्य जांचे बाधित पायी गई। | | |
| • लेबर रूम में भी गंदगी अधिक पायी गई साथ ही लेबर रूम के मानकों को दरकिनार कर प्रसव कराया जाना पाया गया। | लेबर रूम में सफाई का विशेष ध्यान दिया जाना सुनिश्चित किया जाये। | प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक, महिला चिकित्सालय |
| • एस.एन.सी.यू. मे सभी वार्मर सुचारू रूप से क्रियाशील पाये गये। किसी भी प्रकार की कोई शिथिलता नहीं पायी गई। | | |

## दिनांक 16.03.2023 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, वजीरगंज, जनपद गोण्डा

| भ्रमण बिन्दु | सुझाव / सुधारात्मक कार्यवाही | कार्यवाही का स्तर |
|---|---|---|
| • सी.बी.सी. मशीन पिछले काफी समय से खराब है। जिसकी मरम्मत के लिए लिखित शिकायत के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हुई है। | सी.बी.सी. मशीन को ठीक कराया जाये। | मुख्य चिकित्साधिकारी, गोण्डा |
| • दवा वितरण काउण्टर पर दवाओं का वितरण हो रहा था, फार्मासिस्ट के अनुसार पिछले दो माह से डेक्सा मेथासॉन इंजक्शन, बीटाडीन सोल्यूशन, स्प्रिट आदि की आपूर्ति नही की गई है। | दवाओं की आपूर्ति पर विशेष ध्यान दिया जाये। | प्रभारी चिकित्साधिकारी, सी0एच0सी0 वजीरगंज, |

| | | |
|---|---|---|
| जिसके कारण नसबंदी का कार्य बाधित होता है।<br>• आपरेशन थिएटर में लेप्रो और एल.एस. एस एक साथ होने के कारण दिक्कते आती हैं। चिकित्सा ईकाइ में जगह के अभाव के कारण दोनो कार्य एक ही ओ. टी. में किये जा रहे हैं।<br>• ओ.टी. में ब्वायलर अकियाशील पाया गया।<br>• न्यू बार्न सिक केयर युनिट तैयार किये जाने हेतु नवीन कय किया हुआ समस्त सामान व फोटो थेरेपी मशीनें स्टोर में रखी हुई पायी गयी, इंस्टालेशन नहीं कराया गया है।<br>• एच.आर.पी. रजिस्टर छपे हुए नहीं पाये गये, मैनवेल रजिस्टर पर इंट्री की जा रही थी।<br>• जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत संस्थागत प्रसव के उपरान्त लाभार्थियों को दी जाने वाली प्रोत्साहन धनराशि के कम में 1623 केस के सापेक्ष 1413 केस का भुगतान प्रोसेस कर जिला स्तर को प्रेषित किया जा चुका है।<br>• आशा पेमेंट फरवरी,2023 तक का जनपद स्तर पर प्रोसेस हुआ है।<br>• हाई रिस्क केस की लिस्टिंग और ट्रेकिग की जा रही है।<br>• लेबर रूम की डिलीवरी टेबल पर उपलब्ध कैलिस पैड में हवा नही।<br>• चिकित्सा ईकाइ में सेनेटरी पैड की आपूर्ति नहीं पायी गयी। तीमारदारों से बाहर से सेनेटरी मंगवायी जा रही थी।<br>• मैग्नेशियम सल्फेट की आपूर्ति पिछले कई दिनों से नहीं हुई है।<br>• 102 एम्बुलेंस की आवाजाही का कोई रिकार्ड चिकित्सा ईकाइ में नहीं पाया गया।<br>• स्टेरलाइजेशन कैम्प का कोई रिकार्ड चिकित्सा ईकाई मे नहीं पाया गया।<br>• आशासंगिनी का नवीन इंसेटिव रू0 1250 का भुगतान नहीं किया गया है। | ब्वायलर की मरम्मत कराया जाना सुनिश्चित करें।<br>न्यू बार्न सिक केयर युनिट तैयार किया जाना सुनिश्चित किया जाये।<br>एच.आर.पी. रजिस्टर की आपूर्ति पूरी की जाये।<br>लेबर रूम से जुड़े समस्त उपकरणों को पूरा किया जाये।<br>एम्बुलेंस की आवाजाही का रजिस्टर मेनटेन किया जाये।<br>स्टेरलाइजेशन कैम्प के रिकार्ड को दुरूस्त रखा जाये।<br>नवीन इंसेटिव का भुगतान किया जाना सुनिश्चित करें। | प्रभारी चिकित्साधिकारी, सी0एच0सी0 वजीरंगंज, गोण्डा<br>मुख्य चिकित्साधिकारी, गोण्डा<br>डी.पी.एम.<br>प्रभारी चिकित्साधिकारी, सी0एच0सी0 वजीरंगंज, गोण्डा<br>प्रभारी चिकित्साधिकारी, सी0एच0सी0 वजीरंगंज, गोण्डा<br>बी.ए.एम. |

## दिनांक 16.03.2023 हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर्स –चंदनपुर, ब्लाक वजीरगंज, गोण्डा

उप केंद्र से अपग्रेड होकर बनाये गये हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर पर औसतन 20 मरीज प्रतिदिन की ओ.पी.डी. पायी गयी। CBAC फार्म भरे जा रहे थे। हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर में कार्यरत आशा और ए.एन.एम. दोनो की ही एन.सी.डी. ट्रेनिंग नहीं हुई है। पानी व बिजली की आपूर्ति सुचारू रूप से चल रही थी। स्वीपर का इंतेजाम न होने के कारण सी.एच.ओ. को रोज गांव से किसी न किसी को बुलाकर साफ सफाई करानी पड़ती है। स्वीपर हेतु मिलने वाली धनराशि रू0 500 के बारे में सी.एच.ओ. को कोई जानकारी नहीं थी। माह अप्रैल 2022 से पी.बी.आई. फण्ड सी. एच.ओ. को प्राप्त नहीं हुआ है। हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर में पाये गये समस्त चिकित्सीय उपकरण सही पाये गये। ओ.पी.डी. व अन्य रजिस्टर पर नियमित इंट्री की जा रही थी।

## दिनांक 16.03.2023 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र–डुमरिया डीह, गोण्डा

| भ्रमण बिन्दु | सुझाव/सुधारात्मक कार्यवाही | कार्यवाही का स्तर |
|---|---|---|
| • वार्ड गंदे पाये गये, खिडकियों पर पर्दे नहीं, बेडशीट गंदी, कुर्सियां टूटी हुई पायी गई। | सफाई का विशेष ध्यान दिया जाना सुनिश्चित किया जाये। | चिकित्साधिकारी, पी0एच0सी0 |
| • MSCP स्टाफ नर्स द्वारा CBAC फार्म नहीं भरे जा रहे थे। छपे हुए सी–बैक फार्म पिछले छह महीनों से नहीं प्राप्त हुए हैं। | CBAC फार्म भरा जाना सुनिश्चित करें। | चिकित्साधिकारी, पी0एच0सी0 |
| • हीमोग्लोबिन मीटर नहीं पाया गया। | हीमोग्लोबिन मीटर उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाये। | |
| • मरीजों की प्लेटलेट्स काउण्ट नहीं की जा रही थी। | | |
| • मरीजों की कोई भी लाइन लिस्टिंग नहीं की जा रही थी। | लाइन लिस्टिंग किया जाना सुनिश्चित करें। | MSCP स्टाफ नर्स |
| • फार्मेसी में बीटाडिन सोल्यूशन, ओमेज, रैनटेक जैसी जरूरत की दवाओं का अभाव पाया गया। | आवश्यक दवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित की जाये। | चिकित्साधिकारी, पी0एच0सी0 |
| • ए.एन.एम. द्वारा पास के एक विद्यालय में विशेष टीकाकरण पखवाड़ा अंतर्गत बच्चों का टीकाकरण करते हुए पाया गया। | | |

## दिनांक 17.03.2023 कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी में वित्तीय स्थिति पर चर्चाः–

जिला लेखा प्रबंधक द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद गोण्डा हेतु स्वीकृत कुल धनराशि रू0 100 करोड के सापेक्ष रू0 66 करोड का व्यय एवं भुगतान किया जा चुका है। जिसके अंतर्गत एम.सी.पी. कार्ड, केस शीट, स्पलाई बिल के सापेक्ष रू0 27.50 लाख का भुगतान किया गया। वहीं 165 सब सेंटर्स/हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर्स हेतु डायग्नोस्टिक क्रय के लिए रू0 130 लाख का व्यय एवं भुगतान किया गया। 15वें वित आयोग के निर्देशन पर 161 सब सेंटर्स/हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर्स पर रू0 83.72 लाख का व्यय किया गया। जे.एस.एस.के. अंतर्गत डायग्नोस्टिक पर 37.60 लाख का व्यय किया गया है, ऑडिट रिर्पोट की प्रतीक्षा है जिसके आने पर भुगतान कर दिया जायेगा। जे.एस. एस.के. अंतर्गत ड्रग्स एवं कन्जुमरेबल्स पर 40.96 लाख का व्यय किया गया है। इसमें भी ऑडिट रिर्पोट की प्रतीक्षा है जिसके आने पर भुगतान कर दिया जायेगा। डैम द्वारा बताया गया कि माह मार्च 2023 के अंत तक रू0 13 करोड़ का और भुगतान कर दिये जाने हेतु निरंतर प्रयास किये जा रहे है।

रू0 13 करोड़ का और भुगतान हो जाने पर जनपद का एक्सपेंडीचर रू0 100 करोड़ के सापेक्ष रू0 79 करोड तक पहुंच जायेगा।

**दिनांक 17.03.2023 बाबू ईश्वर शरण जिला चिकित्सालय, जनपद गोण्डा**

| भ्रमण | सुधारात्मक कार्यवाही | कार्यवाही का स्तर |
|---|---|---|
| • एन.आर.सी. में आर.बी. एस.के. टीम व आंगनबाड़ी केद्रों से आये 8 बच्चे भर्ती पाये गये।<br>• एन.आर.सी. में भर्ती बच्चों को चार्ट व मानक अनुरूप डाइट दी जा रही थी।<br>• एन.आर.सी. वार्ड में साफ–सफाई का ध्यान रखा जा रहा था। | | |
| • वृद्धों के लिए बनाये गये जियाट्रिक वार्ड को स्टाफ के अभाव में अक्रियाशील कर दिया गया है। | जियाट्रिक वार्ड को क्रियाशील किया जाये। | |
| • सी.टी. स्कैन मशीन गत एक सप्ताह से खराब है, जनपद में सरकारी संस्थाओं में कहीं और सी.टी. स्कैन मशीन स्थापित नहीं है। आस पास के जनपद में भी सी.टी. स्कैन मशीन न होने के कारण मरीजों को लखनऊ रेफर कर दिया जाता है।<br>• टेक्नीशियन ने बताया कि मशीन खराब होने की सूचना रेडियो लॉजिस्ट पवन कुमार द्वारा साइरेक्स फर्म के प्रतिनिधि को दी है, जिला स्तर पर लिखित शिकायत के बावत बताया गया कि कोई लिखित शिकायत नहीं की गई है। | रेडियोलॉजिस्ट द्वारा सी.टी. स्कैन मशीन की लिखित शिकायत सी.एम.ओ. को प्रेषित की जाये। | मुख्य चिकित्साधिकारी, जनपद गोण्डा |
| • PICU वार्ड में दिमागी बुखार व जेई/ए.ई.एस. के 7 मरीज बच्चे भर्ती | वेंटीलेटर को ठीक कराया जाना सुनिश्चित किया जाये | मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला अस्पताल |

| | | |
|---|---|---|
| • पाये गये। वार्ड में वेंटीलेटर खराब पाया गया।<br>• PICU वार्ड में रजिस्टर आदि का निरीक्षण किया गया, समस्त रजिस्टर सुचारू रूप से भरे जा रहे थे। | | |

**जिला चिकित्सालय ब्लड बैंक– दिनांक 17.03.2023**

ब्लड बैंक में ब्लड बैग, किट आदि पर्याप्त मात्रा में पाये गये, ब्लड डोनेशन का कार्य सुचारू रूप से किया जा रहा था। ब्लड डोनेशन कैम्प में औसतन 20 डोनेशन किये जा रहे थे। आखिरी ब्लड डोनेशन कैम्प दिनांक 15 मार्च 2023 को किया गया था।

ब्लड बैंक में लगे दो काउच में से एक टूटा हुआ पाया गया, जिसका हाइड्रोलिक सिस्टम भी खराब हो चुका था।

ब्लड डोनेशन ट्रांसपोटेशन वैन का निरीक्षण किया गया, जिसमें पाया गया कि ब्लड डोनेशन काउच टूटे हुए हैं, काउच के नीचे स्टूल को रखकर काउच पर डोनर को लिटाकर ब्लड कलेक्शन किया जाता है। वैन का ए.सी. खराब है, ब्लड मिक्सर मशीन भी खराब पायी गई। वैन में लगे डी–फ्रिजर पिछले एक साल से खराब पड़े हैं, वैन में उपकरण रखने के लिए लगी अलमीरा सेल्फ का रस्सी से बांध कर काम चलाया जा रहा था। वैन में ए.सी. खराब होने के कारण वेंटीलेशन की कोई जगह नही है। टेक्नीशियन ने बताया कि वैन पांच वर्ष पूर्व जनपद गोण्डा को दी गई थी। उसके बाद से वैन में मरम्मत का कोई काम नहीं कराया गया है। वैन में लगा इंन्वर्टर भी बैट्री सूख जाने के कारण काम नहीं कर रहा है। वैन में इन खराबियों के चलते दूरदराज जगहों पर जाकर ब्लड डोनेशन कैम्प लगाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

## दिनांक 17.03.2023 जिला स्तरीय बैठक– मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय

मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय, गोण्डा में आयोजित बैठक मे सहयोगात्मक पर्यवेक्षण भ्रमण के मुख्य बिन्दुओं पर चर्चा कर उस पर सुधारात्मक कार्यवाही कराने हेतु संबंधित अधिकारियों से अनुरोध किया गया। निम्न बिन्दुओं पर चर्चा की गयी–

1. जनपद में जहां–जहां नर्स मेंटर की तैनाती है वहां पर व्यवस्थित तरीके से स्किल लैब्स बनाये जाने पर जोर दिया जाये।
2. कर्नलगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे रखे हेल्थ ए.टी.एम. को शीघ्रता के साथ क्रियाशील कर लाभार्थियों को सुविधा प्रदान की जाये।
3. स्वास्थ्य केंद्रों में खराब पड़ी सी.बी.सी. मशीनों को जल्द से जल्द ठीक कराया जाना सुनिश्चित किया जाये।
4. वजीरगंज सी.एच.सी. में न्यू बार्न सिक केयर युनिट को क्रियाशील किया जाये।
5. हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर्स पर Population enumeration CBAC Form भरना अनिवार्य करते हुए हाइपरटेंशन, डायबिटीज, कैंसर आदि लक्षण वाले रोगियों की Linelisting किया जाना सुनिश्चित किया जाये।
6. जनपद गोण्डा में किसी भी चिकित्सा ईकाइ में अभी तक आशा संगिनी के नवीन Insentive Rs 1250/- का भुगतान नहीं किया गया है। आशा संगिनियों के भुगतान को Streamline किया जाना सुनिश्चित किया जाये।
7. जिला महिला चिकित्सालय में बंद पड़ी सुरक्षा क्लीनिक को क्रियाशील किये जाने पर अधिकारियों का ध्यान केंद्रित किया गया।

8. जिला महिला चिकित्सालय की लैब में खराब पड़ी सी.बीसी. मशीन, माइक्रोस्कोप, सेलेक्ट्रा आदि उपकरणों को ठीक कराया जाये ताकि रोगियों को दिक्कतों का सामना न करना पड़े।
9. राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न कार्यों की नियमित रूप से समीक्षा की जाए एवं इन्हें और उपयोगी बनाया जाए। डी.आई. सी. मैनेजर को निर्देशित किया जाये कि आर.बी.एस.के. टीम की लोकेशन का भौतिक सत्यापन किये जाने हेतु सप्ताह में दो से तीन बार रेण्डमली वीडियो कॉल करके टीम की लोकेशन की जांच करें और पाक्षिक रूप से उसकी रिपोर्ट तैयार कर स्टेट एस.पी.एम.यू. में भी साझा करें।
10. SAANS प्रशिक्षण को यथाशीघ्र सम्पादित कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

उक्त बैठक द्वारा भ्रमण में पायी गयी कमियों से संबंधित अधिकारियो को अवगत कराते हुये निराकरण हेतु चर्चा की गयी। बैठक से पूर्व मुख्य चिकित्साधिकारी, डा0 रश्मि वर्मा को मा0 विधायक जी के कर कमलों से हेल्थ ए.टी.एम. के विमोचन कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए जाना पड़ा। अतः अपर मुख्य चिकित्साधिकारी– एन.एच.एम. डा0 ए.पी. सिंह, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 आदित्य शर्मा, जिला कम्युनिटी प्रोसेस मैनजर तथा जिला कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा प्रतिभाग किया गया।

**(सुमित कुमार सोनकर)**
परामर्शदाता, आई0ई0सी0

**(सरिता गुप्ता)**
आशा प्रोग्राम मैनेजर, ए.आर.सी.